

अभिभावकों को कई बार स्कूल-कार्य, उनके बच्चे के दूसरे बच्चों के साथ सम्बन्ध या उनके बच्चे की विशेष आवश्यकताओं के बारे में अध्यापक से बातचीत करने की आवश्यकता होती है। अधिकतर अध्यापक, अभिभावकों की ओर से इस प्रकार की बातें पूछे जाने के अभ्यस्त हैं और स्कूल में आपके बच्चे की सफलता हेतु सहायता करना चाहते हैं।

अभिभावक : शिक्षा में भागीदार :-

ओनटैरियो में अभिभावकों को उनके बच्चों की शिक्षा में प्रमुख भागीदार बनने के लिए उत्साहित किया जाता है। वास्तव में अब शिक्षा मंत्रालय का एक अंग अभिभावकों की सहायता को समर्पित है ताकि वे अपने बच्चों की शिक्षा और स्कूल समुदाय से सम्बद्ध हो सकें।

परंतु तंत्र कई बार चकरा देने वाला या भयभीत करने वाला हो सकता है। यदि आपका कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप किससे बात करें।

यदि आप फोन पर अध्यापक से बात करना चाहते हैं तो स्कूल कार्यालय पर बात करें, संदेश छोड़ें और अध्यापक आपको बाद में फोन करेगा।

यदि आप फोन पर अध्यापक से मिलना चाहते हैं तो स्कूल कार्यालय पर फोन करें और संदेश कि आप अध्यापक से बातचीत करने के लिए समय चाहते हैं। यदि आप सौचते हैं कि आपके बच्चे को अतिरिक्त सहायता या विशेष कार्यक्रम की आवश्यकता है तो आप स्कूल के दूसरे स्टाफ तथा अध्यापक के साथ बैठक की मांग कर सकते हैं। कई स्कूल आपको दुभाषिया दे सकते हैं। स्कूल स्टाफ के साथ बातचीत करने के लिए यहाँ कुछ सकेत हैं:-

अपने बच्चे से बात करें :-

1. अपने बच्चे से प्रश्न पूछें जिससे आप सूचना संग्रह कर सकें।
2. खुले अंत के प्रश्नों को पूछने का प्रयास करें यथा - आपको किस - के बारे में कठिनाई अनुभव करते हैं। मुझे बताओ क्या हुआ।
3. वह क्या कहता, कहती है, उसे सुनो तथा और प्रश्न पूछें।

अपने बच्चे के अध्यापक या स्कूल के गाइडेंस कौन्सलर से बात करें :-

1. आपका बच्चा कैसा अनुभव करता है, इस संबंध में अपनी चिन्ताओं से अध्यापक को अवगत कराएँ।
2. मेरे बच्चे ने बताया कि इस प्रकार की टिप्पणियों के प्रयोग का प्रयास करें।
3. स्कूल की नीतियों और प्रक्रियाओं को समझने के लिए प्रश्न करें।
4. अध्यापक विचार-बिन्दुओं और सूझावों को सुने।

5. आपका बच्चा दोनों से उसी संदेश को ग्रहण करे इसलिए आप और अध्यापक संवाद करें कि आप क्या करेंगे।
6. यदि आपके स्कूल में गाईडेंस कौन्सलर है तो वह आपके बच्चे को शेष पाठ्यक्रम के बारे में और सामाजिक तथा शैक्षणिक समस्याओं को सुलझाने के बारे में परामर्श दे सकता/सकती है।
7. अध्यापक ने क्या कहा है, इस संबंध में आप सोचने के लिए समय ले सकते हैं। आपको किसी भी बात का तत्काल निर्णय नहीं करना है। यदि समाधान काम कर रहा है तो पुनः बातचीत के लिए सहमत हों।

प्रिंसीपल या उप प्रिंसीपल से बातचीत करें :-

यदि अध्यापक सहायता करने में असमर्थ है तो प्रिंसीपल या उप-प्रिंसीपल से बात करें। वे प्रत्यक्ष सहायता करने या दूसरे अध्यापकों अथवा स्कूल के दूसरे स्टाफ को सम्बद्ध कर सहायता करने में सक्षम होंगे।

स्कूल सुपरिंटेंडेंट (अधीक्षक) से बात करें :-

यदि फिर भी समस्या का समाधान नहीं होता तो सहायता के लिए स्कूल अधीक्षक से संपर्क करें। स्कूल सचिव या प्रिंसीपल आपको बता सकता है कि अधीक्षक से कैसे संपर्क करना है या आप सूचना पाने के लिए स्कूल बोर्ड की वेबसाईट पर जा सकते हैं।

याद रखें :-

1. सूचित हो : अपने स्कूल की नीतियों के बारे में ढूँढें।
2. अध्यापक - अभिभावक साक्षात्कारों व घटनाओं में नियमित रूप से उपस्थित हों। यदि आप और अध्यापक पहले ही मिल चुके हैं। तो समस्याओं का समाधान करना सरल है।
3. अपने बच्चे के बारे में स्कूल द्वारा आमंत्रित बैठक में आप उपस्थित हों (ई. जी. स्पेशल एजुकेशन **IEP** स्कूल अनुशासन)
4. यदि आपकी समस्या सरलता से नहीं सुलझती तो आप महत्वपूर्ण बैठकों और संवादों की लिखित टिप्पणियाँ रखें।
5. यदि आप अंग्रेजी में अपने आप को अभिव्यक्त करने में सहज नहीं है तो दुभाषियों के लिए कहें।
6. हमारे बच्चों के बारे में चिन्ताएँ अस्थिरताकारक हो सकती हैं। शांत रहने का प्रयास करें। यदि आप शांति से उन्हें अभिव्यक्त करते हैं तो संभावना है कि लोग आपकी चिन्ताओं को भली भांति सुनेंगे।

अधिक जानकारी के लिए -

पीपल फार एजुकेशन को 416-534-0100 पर फोन करें या इस

टिप-शीट की दूसरी भाषाओं में प्रतियाँ :

'www.peopleforeducation.com से प्राप्त करें

शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट '**www.edu.gov.on.ca**' पर जाएँ

वीडियो और कई भाषाओं में सूचना हेतु

'[Www.settlement.org.com](http://www.settlement.org.com)'

